एफआरसीसीई ने विशाखापत्तनम में मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

विश्व पर्यावरण दिवस प्रतिवर्ष 5 जून को मनाया जाता है ।यह दिवस आमजन तक पहुँचने के लिए सबसे बड़ा वैश्विक मंच है और । इस वर्ष के आयोजन का विषय 'केवल एक पृथ्वी' है। स्टॉकहोम में 1972 के सम्मेलन का भी यही नारा था, जहां वार्षिक वैश्विक कार्यक्रम पहली बार 5 जून को स्थापित किया गया था। भारत की तटरेखा 7516.6 किमी है। भविष्य में बढ़ते समुद्र के स्तर के कारण प्रायद्वीपीय भारत को संकट से बचाने के लिए मैंग्रोव का संरक्षण और बहाली बहुत आवश्यक है।

आईसीएफआरई के आदेश के अनुसार, डॉ. सुमित चक्रवर्ती, वैज्ञानिक-जी, एफआरसीसीई के प्रमुख के मार्गदर्शन में श्री टी. श्रीनिवास, वैज्ञानिक-बी द्वारा समन्वित एक तकनीकी अनुसंधान समूह वन अनुसंधान केंद्र- तटीय पारिस्थितिकी तंत्र से विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या का जश्न मनाने के लिए मंगमारिपेटा पहुंचा। । अनुसंधान समूह में डॉ. इलहाम बानो, वैज्ञानिक-बी, डॉ. पी. अंजनेयुलु, श्री एम. गणेश, श्रीमती टी. अनुषा और श्रीमती जी. मौनिका के साथ प्रशासनिक कर्मचारी श्री एस. लक्ष्मण राव और श्री सी.एच. श्रीनिवास सम्मिलित थे।

5th June, 2022, Sunday
8-45 AM to 12-30 PM

उपरोक्त समूह 17.8455010 अक्षांश और 83.4099660 देशान्तर के भू-निर्देशांक के साथ मंगमारिपेटा में एक खारे जल निकाय के स्थान पर सुबह 10:00 बजे पहुंचा। जल निकाय रेली बीच मुख्य सड़क से लगभग 100 मीटर की दूरी पर स्थित है।टीम ने मैंग्रोव के पौधे लगाए जिनमें एविसेनिया मरीना और एकेंथस इलिसिफोलियस शामिल थे। पौधे एक दूसरे से और साथ ही तटरेखा से 3 फीट की दूरी पर लगाए गए। कार्यक्रम में एफआरसीसीई के स्टाफ और स्थानीय स्कूल के बच्चों ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया। एफआरसीसीई में आगामी विश्लेषण के लिए क्षेत्र की मिट्टी और पानी के नमूने एकत्र किए गए।

MANGROVE PLANTATION PROGRAMME
WORLD ENVIRONMENT DAY
05/06/2022 10:27